NEWS CLIPPING: 19.02.2021

PUNJAB KESARI

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से होगा शिक्षा का भारतीयकरण: शंकरानंद

प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षकों को निभानी होगी भूमिका: कानिटकर

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भारतीय शिक्षण मण्डल के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री बी.आर. शंकरानंद।

फरीदाबाद,18 फरवरी (ब्यूरो): राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका पर चर्चा के लिए भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञ रणनीतिकार एवं भारतीय शिक्षण मण्डल के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री बी.आर. शंकरानंद मु य वक्ता रहे। एक दिवसीय संगोष्ठी में आईओसीएल के पूर्व उपमहाप्रबंधक एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख कृष्ण सिंघल मु य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग तथा भारतीय शिक्षण मण्डल हरियाणा प्रांत मंत्री सुनील शर्मा भी उपस्थित थे। संगोष्ठी के मु य वक्ता शंकरानंद ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के भारतीयकरण की दिशा में बड़ा कदम है और इस बदलाव में भारतीय शिक्षण मण्डल सहयोगी की भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि नीति का मु य सार इसका अध्ययन आधारित परिणाम मूलक प्रारूप है, जिसमें शारीरिक स्वास्थ्य, देशभक्ति से पूर्ण सुदृढ़ मन, बौद्धिक रूप से जागरूक मस्तिक, आध्यात्मिक जुड़ाव और सामाजिक दायित्वबोध शामिल हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि नीति में निहित परिणामों को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों को शिक्षण पद्धति में बदलाव करना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाने से ज्यादा उन्हें पढ़ने में सहयोग देने पर बल देना होगा। उन्होंने कहा कि जिस भाव को लेकर इस नीति का दस्तावेजीकरण किया गया है, उसी भाव में क्रियान्वित अब शिक्षकों द्वारा किया जाना चाहिए। इसलिए, नीति पर शिक्षकों द्वारा गहन चिंतन एवं संवाद जरूरी है। उन्होंने बताया कि देशभर से शिक्षकों द्वारा प्राप्त होने वाले सुझावों को नीति आयोग एवं शिक्षा मंत्रालय के समझ रखा जायेगा ताकि इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कृष्ण सिंघल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति से ब्रिटिशकाल से चली आ रही शिक्षा प्रणाली समाप्त होगी जोकि दासता का बोध करवाती है। उन्होंने कहा कि इस नीति के क्रियान्वयन में भारतीय शिक्षण मंडल के साथ-साथ शिक्षक संघों को भी आगे आना होगा और भूमिका निभानी होगी। दूसरे सत्र में जिन विषयों पर चर्चा की गई, उनमें प्रो. संदीप ग्रोवर द्वारा शिक्षकों के गौरव एवं स मान विकसित करने पर, प्रो. तिलक राज द्वारा शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर, प्रो. अतुल मिश्रा ने शिक्षकों के प्रशिक्षण और विकास पर, जगदीश चौधरी ने शिक्षकों और छात्रों के भविष्य के विकास के लिए औद्योगिक भ्रमण, डॉ. प्रदीप डिमरी ने सोसायटी आधारित अनुसंधान: समाज की बेहतरी के लिए एक रणनीति तथा प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने जीवनपर्यंत अध्ययन: सफलता की कुंजी विषयों पर अपने विचार रखें।

NEWS CLIPPING: 19.02.2021

DAINIK BHASKAR

राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के भारतीयकरण की दिशा में बड़ा कदमः शंकरानंद

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर चर्चा के लिए भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ रणनीतिकार एवं भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री बीआर शंकरानंद मुख्य वक्ता थे। जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख कृष्ण सिंघल मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता शंकरानंद ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के भारतीयकरण की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा नीति का मुख्य सार इसका अध्ययन आधारित परिणाम मूलक प्रारूप है, जिसमें शारीरिक स्वास्थ्य, देशभक्ति से पूर्ण सुदृढ़ मन, बौद्धिक रूप से जागरूक मष्तिस्क, आध्यात्मिक जुड़ाव और सामाजिक दायित्वबोध शामिल हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि नीति में निहित परिणामों को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों को शिक्षण पद्धति में बदलाव करना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाने से ज्यादा उन्हें पढ़ने में सहयोग देने पर बल देना होगा। उन्होंने कहा जिस भाव को लेकर इस नीति का दस्तावेजीकरण किया गया है, उसी भाव में क्रियान्वित अब शिक्षकों द्वारा किया जाना चाहिए।

NEWS CLIPPING: 19.02.2021

NAVBHARAT TIMES

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका पर हुई चर्चा

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में शिक्षकों की भूमिका पर चर्चा के लिए भारतीय शिक्षण मण्डल व नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में जेसी बोस यूनिवर्सिटी द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय शिक्षण मण्डल के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री बीआर शंकरानंद मुख्य वक्ता रहे।

शंकरानंद ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के भारतीयकरण की दिशा में बड़ा कदम है। इस बदलाव में भारतीय शिक्षण मण्डल सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि नीति के परिणामों को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों को शिक्षण पद्धति में बदलाव करना होगा। छात्रों को पढ़ाने से ज्यादा उन्हें पढ़ने में सहयोग देने पर बल देना होगा। नीति पर शिक्षकों द्वारा गहन चिंतन व संवाद जरूरी है। उन्होंने बताया कि देशभर से शिक्षकों द्वारा प्राप्त होने वाले सुझावों को नीति आयोग व शिक्षा मंत्रालय के समझ रखा जाएगा ताकि इसे बेहतर तरीके से लागू किया जा सके। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद आरएसएस के उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख कृष्ण सिंघल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति से ब्रिटिशकाल से चली आ रही शिक्षा प्रणाली समाप्त होगी जो कि दासता का बोध करवाती है।